पाठ 2. जो बोले वह खाए दो

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में प्रभावी संप्रेषण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे शाब्दिक और गैर-शाब्दिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने में समर्थ हो सकें। हलके-फुलके अंदाज में यह पाठ दो पात्रों चाचा-भतीजा के इर्द-गिर्द घूमता है और यह बताने की चेष्टा करता है कि भूत-प्रेत की धारणा का संबंध वास्तव में डर से है न कि वास्तविकता से।

पाठ का सार

दो ब्राह्मण, चाचा और भतीजा, अपने यजमान के घर पहुँचकर पाँच लड्डू तैयार करते हैं। लड्डुओं का बँटवारा करने और कौन अधिक लड्डू खाए, इस बात की शर्त लगती है कि पहले बोलने वाला दो ही लड्डू खाएगा। दोनों को मरा जानकर गाँव वाले उन्हें श्मशान भूमि की ओर ले जाते हैं। वहाँ जब चिता जलाई जाती है तब मौत के डर से भतीजा अपनी हार मान लेता है। पाँच की गिनती से गाँववालों को गलतफ़हमी होती है। वे दोनों को भूत समझकर भाग जाते हैं।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों से इस कहानी का मुखर वाचन व अभिनय कराया जा सकता है। बच्चों को 'यजमान', 'पंडित जी', 'अंतिम संस्कार', 'चिता' जैसे शब्दों के बारे में अर्थ स्पष्ट करें। विभिन्न धर्मों में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया अलग-अलग होती है, यह भी बताएँ। भूतों से संबंधित भ्रांतियों का निराकरण करने की चेष्टा अवश्य करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - संज्ञा की परिभाषा दें। संज्ञा के भेदों—जातिवाचक, व्यक्तिवाचक और भाववाचक के बारे में जानकारी दें। उनकी पहचान का तरीका बताएँ। भाववाचक संज्ञा शब्दों के बारे में विशेष रूप से समझाएँ।
  - युग्म शब्द की परिभाषा दें। बच्चों को विभिन्न प्रकार के युग्म शब्दों की जानकारी दें। बच्चों को समझाएँ कि कुछ युग्म शब्द मिलते-जुलते अर्थ वाले या भाव वाले शब्दों से बनते हैं। जैसे—खाना-पीना जबकि कुछ युग्म शब्द विपरीत अर्थ वाले शब्दों से बने होते हैं। जैसे—आना-जाना। कुछ युग्म शब्द निरर्थक शब्दों के मेल से बने होते हैं, जैसे—चाय-वाय। उन्हें यह भी बताएँ कि कुछ युग्म शब्दों में समान शब्द ही दो बार आते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - इस क्रियाकलाप को कराने से बच्चों में अवलोकन-शक्ति का विकास होगा।